

गीतों की सूची

1	प्रतिभोर	33	यीशु नाम सामर्थी नाम
2	भूलुंगा कभी नहीं	34	आजादी आजादी
3	हे आसमां	35	भजो भजो भजो
4	मांगने को आया नहीं	36	पवित्र मुझे बना दे
5	तेरी उपासना	37	राजाधिराज तेरे उपकार
6	तेरा लहू	38	यीशु मसीह हमारा प्रभु
7	तेरी स्तुति मैं करूँ	39	हे सारे लोग
8	तेरे पास हम	40	जातियों में ज्योति
9	यीशु तेरा यह प्रेम	41	गाएंगे हम यीशु महान
10	तेरे बिन	42	धन्यवाद के साथ
11	राजा हैं महान	43	जिंदगी ये सफर
12	वायदे को पुरा करने	44	साथ यीशु गर
13	ये जीवन हैं तेरा प्रभु जी	45	सारी महिमा यीशु को
14	आओं नाचेंगे	46	पवित्र आत्मा तू है यहां
15	बिन तेरे मैं कुछ नहीं	47	सबसे अलग तेरे विचार
16	आओ करे आराधना	48	सेना हैं हम
17	यहोवा तेरी कृपा	49	आकाश और पृथ्वी में
18	तुम दिल में	50	मेरा छुड़ाने वाला
19	जय बोलो जय बोलो	51	यीशु मेरी ज्योति
20	दिल के धड़कन में	52	आजाद है हम
21	तेरे नाम में चंगाई हैं	53	उपसना हम करते हैं
22	महिमा तुझको	54	तु तो है जीवन जल
23	यीशुआ--मसीहा	55	तेरी पनाह में आते
24	मैं हूँ यहां नम्र तेरे सामने	56	प्रभु राजाओं का राजा
25	दिल मेरा धक-धक	57	क्या ही धन्य हैं वे
26	तेरी इच्छा	58	हे मेरे इम्राएल
27	तु मेरी आराधना	59	तेरा अनुग्रह
28	इस भवन में महिमा	60	पराक्रमी खुदा
29	मसीही जीवन में	61	यीशु पवित्र है
30	सबका प्रभु	62	यीशु नाम की जय
31	धर्मियों के तम्बू में	63	तु मुझ में, मैं तुझ
32	आनंद ही आनंद		

1

प्रतिभोर उसकी करुणा नयापन लाती है
और उसकी सच्चाई उत्तम कहलाती हैं
खुदा की करुणा अमर हैं—2

हम मिटे नहीं जीवित हैं उत्तम फल कहलाते हैं
वो भला हैं प्यारा हैं अनुग्रह हम पर करता हैं

तन मन प्राण गाते हैं पावन पावन तू हैं
धन्यवाद स्तुतिगान लाकर होसन्ना गाते

2

भूलुंगा कभी नहीं तेरे आशीषों को
आदि से आज तक और सदा रहेगी

- 1 सबकुछ तेरा है बदले में क्या दूँ
बस तेरी कृपा मुझ पर बनी रहे
यीरे प्रभु तू पूर्ति तू करता
तेरी इच्छा से कमियों को भरता
कैसे मैं भूलुंगा तेरे प्रबंध को
- 2 तेरी आशीषों की सीमा नहीं है
जब भी मैं मांगू भरपुर देता
प्यारा प्रभु तेरा कितना बड़ा दिल
महिमा के धन से तृप्त है करता
अनोखे है ये आशीष मीरास में मिले मुझे

3

हे आसमां के तारों, हे पृथ्वी के लोगों
हे समुद्र हे व्दीपों, हे नदीयां हे पर्वतों
उंचे स्वर में जयजयकार करें
वो सर्वशक्तिमान है खुदा
तारीफ के योग्य है, आदर के योग्य है
महिमा उसी की ही है—यीशुआ

- 1 हे जाति जाति के लोगो
उसकी सुनो और महिमा करो
वो यहोवा अल्फा और ओमेगा
उसके सिवाय और कोई नहीं
उंचे स्वर में जयजयकार करें
वो सर्वशक्तिमान है खुदा
- 2 हे प्रजा चुनी हुई प्रजा
आत्मिक उन्माद में भरे रहो
वो है प्रभु पवित्र और योग्य
जिसकी तुलना किसी से ना करो
उंचे स्वर में जयजयकार करें
वो सर्वशक्तिमान है खुदा

4

मांगने को आया नहीं
सिर्फ बातें करने को आया हूँ मैं
मांगने से भी हैं बढ़कर है दिया
तेरे लाड़लों को तूने मेरे मसीह
आँखे बंदकर कर

3

हाथ उठाकर तेरी आत्मा को महसूस करूँ

- 1 परमेश्वर आत्मा है
सच्चे आत्मा से आराधना करो
सच्चे आराधक को वो ढुँढ़ रहा है
सच्चे आत्मा से आराधना करो
- 2 परमेश्वर है यहाँ
देख रहा है तुझे यहाँ
सच्चे आराधक को वो ढुँढ़ रहा है
सच्चे आत्मा से आराधना करो

5

तेरी उपासना करूँ प्रभु सर्वशक्तिमान
न कोई तेरे समान
तेरी उपासना करूँ शांति के राजकुमार
यही तो मैं करना चाहूँ
करूँ स्तुति मैं तेरी —तू है तेरी धार्मिकता
तेरी उपासना करूँ प्रभु सर्वशक्तिमान
न कोई तेरे समान

6

तेरा लहु बड़ा कीमती है प्रभु—2
क्योंकि उस लहु में जो ताकत है
जिससे हम पाते हैं छुटकारा

तूने जो लहु बहाया है
सारी दुनियाँ को बचाया है
कभी तूने किसी से कुछ न मांगा

4

कभी तूने किसी से कुछ न कहां

7

तेरी स्तुति मैं करूँ आराधना करूँ
दिल से.....दिल से
मेरी सांसो में तेरा नाम रहें...2
है प्रभु तू ही तू

- 1 जहां मेरी नज़र जाएं वहां तेरी स्तुति हो
सारी दुनियां का रखवाला तू—2
है यीशु तू ही तू

- 2 खुशी और गम में साथ हो तेरा
प्रारंभ और अंत में नाम हो तेरा
मेरे जीवन का सहारा तू—2
है प्रभु तू ही तू

8

तेरे पास हम आते हैं सदा
तू ही एक बस हैं खुदा
सारी महिमा और उपासना
तुझको ही मिले सर्वदा मेरे खुदा
यीशुवा—4

- 1 तेरे प्यार का हो गया असर
चल रहा हूँ मैं तेरी राह पर
तेरे प्यार पे हो गया फ़िदा
दुनिया से तो मैं हो गया जुदा—मेरे खुदा

5

- 2 सोचता मैं था जाऊं मैं कहां
आ मेरे पास आ तूने ये कहां
मुझसे तूने ये वादा हैं किया
चाहे कुछ भी हो तू साथ हैं सदा—मेरे खुदा

9

यीशु तेरा यह प्रेम, कितना महान गहरा हैं
यीशु तेरा लहु, धोता मुझे देता हैं चैन
तुझसे ही हैं मेरी हर सांस,
तुझसे ही हैं मेरा विश्वास

पवित्र आत्मा तेरा यह स्पर्श, भरता मुझे आनंद से
पवित्र आत्मा मेरा रहबर, रहता तू संग हर एक
पल

तुझसे ही हैं मेरी हर सांस,
तुझसे ही हैं मेरा विश्वास

10

तेरे बिन मैं कुछ भी नहीं
जो हैं वो हैं नहीं बिन तेरे
तुझसे ही हैं मेरे सांसे
तुझसे ही हैं मेरे सपने
तुझसे ही हैं मेरा जीना —यीशु
यीशु हैं प्यार तुझसे यीशु

- 1 जीने की वजह हैं अब तू
तुझ में ही पाया ये जीवन
कोई जाने न क्या होता मेरा
डाली मुर्दे में जान जो

6

- 2 प्यार का मतलब जाना न
जान देके तूने समझाया
मारा मारा फिरता रहता
जीने का मकसद् जो न हो जो

11

राजा हैं महान यीशु राजा हैं
मुद्दा हैं तू खुशी का—4
महफिल हैं दरबार मेंराजा हैं महान

- 1 निर्बल को बल देता—4
उठ खड़े चलाता हैं
- 2 मेम्ना जो बलि चढ़ा था—4
विजय सिंह हैं यहूदा का

12

वायदे को पुरा करने वाला खुदा
कहकर न पीछे हटनेवाला खुदा
उसकी रहमत से गाओ सारे गीत
उसने मृत्यू पर पाई हैं जीत
की यीशु मेरा जिंदा खुदा

- 1 उसके करम से बने हैं जमीन आसमान
उसके फ़ज़ल से ही जिंदा हैं हमसब यहाँ
उसके कुदरत के गाओ सारे गीत
उसने मृत्यू पर पाई हैं जीत
की यीशु मेरा जिंदा खुदा

- 2 उसके जलाल और शोहरत का करते बयान
मेरे यहोवा के जैसा हैं कोई कहां
उसके शोहरत के गाओ सारे गीत
उसने मृत्यू पर पाई हैं जीत
की यीशु मेरा जिंदा खुदा

13

ये जीवन हैं तेरा प्रभु जी
तू ही राज करें हो तेरी मर्जी—2
संग तेरे हम गाते जाएं
आये मुसीबत मुस्कुराये—
तेरे भवन मे आनंद की भरपूरी हैं
यीशु तू संग तो जीवन में संतुष्टि हैं

- 1 क्रूस पर सब हुई समाप्ति
हारा शैतान मिली पापों से मुक्ति
तेरी मौत से मिली हैं आजादी
रोक सके न हमे अब कोई शक्ति
- 2 भरपूरी भरपूरी आनंद की भरपूरी
संतुष्टि संतुष्टि यीशु में संतुष्टि
मेरा प्याला उमड़ उमड़ के भरे
मेरा जीवन यीशु तू खुशी से भरे

14

आओ नाचेंगे खुदावंद के की शान में
आओ नाचेंगे यीशु के नाम से
सारे गम को भुला के दुनियाँ को बतायें

यीशु मे हमारी हैं जीत ओ..ओ...नाचेंगे

- 1 छोड़ गम की यह काली घटाओं को
मृत्यु ये जीवन में आ
उसका वायदा कभी न छोड़ेगा वह
डर के न जीवन बिता
उसकी महिमा तू गाके के
शैतान को दिखा दे
यीशु में हमारी विजय
- 2 बीमारियाँ छोड़ जाती है यीशु के नाम से
बद रूह मुँह छुपाती हैं यीशु के नाम से
वो हैं मुक्तिदाता तुझको हैं बुलाता
उसमे है हमारी विजय

15

बिन तेरे मैं कुछ भी नहीं
यहोवा मुझे तेरी ज़रूरत हैं
प्यार तू करता हैं इतना —2
अपने हाथों पे खुदी मेरी सूरत हैं
यहोवा मुझे तेरी ज़रूरत हैं

- 1 तू मेरे चेहरे की रोनक और है मेरी कुवत
हसमत और जलाल के बादशाह
तुझसे है मेरी झिन्नत
तेरे बिना ये ज़िदगी मेरी
बेरोनक और बेसुरत हैं.....यहोवा
- 2 तेरा कलाम है ऐसे

9

जैसे हो अनमोल मोती
चिराग है कदमों के लिए
और मेरे राह की ज्योति
शाह ए ज़मान तू ज़िदा खुदा तू
तू न झुटी मूरत हैं ...यहोवा

- 3 आसमान तूने बनाया
समुंदर की हद गहराई
चरिंद परिंद पहाड़ दरिया
और फुलो से धरती सजाई
कायनात इतनी सुंदर बनायी
तू खुद कितना खुब सुरत हैं

16

आओ करें आराधाना
यीशु मसीह की आराधना
जो है मेरा खुदा
वो है सबका खुदा....हालेलुय्याह — 4

- 1 सृष्टि का रचनेवाला वो ही
हम सब का रखवाला वो ही
उसकी महिमा करें—2
- 2 चाहे जमीं हो या आसमां
कोई नहीं हैं उसके समान
वो ही ज़िदा खुदा—2
- 3 उसके लहु से मिलती शिफा
पापों से सबको मिलती क्षमा

10

मिलता है जीवन नया

17

यहोवा तेरी कृपा महान हैं
तेरा प्यार हम कितना चाहते हैं
आकाश से वो उंचा हैं
सागर से भी गहरा है
दुनिया का तू खुदा हैं
तू ही हमारी पनाह हैं.....

यहोवा तू ज्योति और उद्धार है
अब मैं किसी से और क्यों डरूँ
तुझमें हमारी ताकत है
तू मेरे दिल की चाहत है
तूझमें है मेरा भरोसा
तू ही हमारी ज़रूरत है

18

तुम दिल में ऐसे बस गए
ज़िगदी भर के लिए राजा बन गए
जीवन में ऐसे काम कर गए
पाप मेरे श्राप मेरे चलते बन गए
दिल में, जान में, होंटो पे, आंखों में तू है

डर डर के मैं जो जी रहा था
डर से मुझको यीशु ने खिंच निकाला
जंजीरों में जो जकड़ा हुआ था
तोड़कर उनको आज़ाद है किया
तू ही है.... तू ही है.... तू ही है....

11

यीशु तू ही है

19

जय बोलो जय बोलो
यीशु मसीहा की जय बोलो

- 1 अंधों को आंख दिया यीशु ने
लंगड़ों को चला दिया यीशु ने
- 2 कोढ़ी को चंगा किया यीशु ने
लाजरस को जिला दिया यीशु ने
- 3 हम सब को बचा लिया यीशु ने
पापों से छुड़ा लिया यीशु ने

20

दिल के धड़कन में तू है
सासों रगों में तू है
जीने का मकसद भी तू है—तू ही है
स्तुति स्तुति के योग्य
महिमा महिमा के योग्य
सज़दा सज़दा के योग्य.... यीशुवा

- 1 यहोवा मिकादेश तू है
पवित्र बनानेवाला
यहोवा निस्सी तू है
हरदम विजय देनेवाला
- 2 यहोवा हुसेनु तू है

12

सब को बनानेवाला
यहोवा सिदकेनु तू है
धार्मिकता का परमेश्वर.... स्तुति स्तुति

तेरे नाम को हम दंडवत करें
तेरे सामने झुककर घुटने टेके
स्तुति स्तुति.....

21

तेरे नाम में चंगाई है
तेरे नाम में रिहाई है
तेरे नाम में दुहाई ..यीशुवे
यीशुवे-2

- 1 जीस ने भी मांगा तूझ से
यीशु तू देता उसे
यीशु नाम में—3
सब कुछ मिलता है

- 2 सर्वश्रेष्ठ हैं यीशु नाम
सर्वज्ञानी है यीशु नाम
उस नाम के सामने
हर घटना हैं टिकते

22

महिमा तुझको, आदर तुझको
प्रशंसा तुझको मेरे यीशु
मेरा जीवन तुझको, मेरा तन मन तुझको
दिल की धड़कन तुझको —समर्पण

13

होसन्ना — होसन्ना —हालेलुयाह

- 1 रोज देखु मैं चेहरा तेरा खुदा
मेरा साथी मेरा तू पिता
हे यहोवा तेरा नाम काफी हैं
- 2 इस जहां में तेरे नाम का रूतबा बड़ा
तेरे सज़दे में झुकता मेरा सर सदा
हे यहोवा तेरा नाम काफी हैं

23

यीशुआ—मसीहा

- 1 अल्फा ओमेगा—यीशुआ मसीहा
आदि और अंत है —यीशुआ मसीहा
जीवन की रोटी —यीशुआ मसीहा
जीवन का जल है —यीशुआ मसीहा
- 2 पूरब के गाये —यीशुआ मसीहा
पश्चिम के गाये —यीशुआ मसीहा
उत्तर के गाये—यीशुआ मसीहा
दक्षिण के गाये —यीशुआ मसीहा
सब मिलकर गाये —यीशुआ मसीहा

24

मैं हूँ यहाँ नम्र तेरे सामने
तेरे अनुग्रह से हूँ मैं ढका
मैं हूँ यहाँ मानता हूँ की पापी हूँ
पर तेरे लहु से धुला

14

मैंने पा लिया तेरा प्रेम जो महानतम है
क्योंकि जीवन तूने दिया महानतम बलिदान
महिमा महिमा तेरे प्यार ने मुझे है ढूँडा
जैसा हूँ मुझे तूने स्वीकारा

2. मैं हूँ यहाँ तेरे प्रेम ने मुझे छु लिया
क्षमा पाई ताकी मैं माफ़ करूँ
मैं हूँ यहाँ जानता हूँ मैं तेरी चाहत हूँ
तेरी अग्नि ने मुझे शुद्ध किया

25

दिल मेरा धकधक है धड़कता
हर समय यीशु तेरे लिये
तेरे लिये तेरे लिये हर समय यीशु तेरे लिये

1. सामर्थ से भर दे प्रभु, आनंद से भर दे प्रभु
आत्मा से भरकर वचन सुनाउं प्रभु
हर समय यीशु तेरे लिये
2. शक्ति से भर दे प्रभु, सामर्थ से भर दे प्रभु
आत्मा से भरकर गीत गाउं प्रभु
हर समय यीशु तेरे लिये
3. सामर्थ से भर दे प्रभु, आत्मा से भर दे प्रभु
वचन के अनुसार जीवन बिताउं प्रभु
हर समय यीशु तेरे लिये

26

तेरी इच्छा—4
मेरी नहीं प्रभु तेरी इच्छा पूरी हो
तू जो चाहे वोही मैं करूँ
तू जो कहे वो ही मैं सुनूँ
तेरी इच्छा मुझ में पूरी हो

1. जब तक यह साँस रहें
जीवन के हर मोड़ में
मेरी सोच और सारे निर्णयों में
सब काम और सारी बातों में
मेरी नहीं प्रभु तेरी इच्छा पूरी हो
2. जैसा मैं चाहूँ वैसा नहीं
जैसा तू चाहे वैसा ही हो
हे मेरे पिता हे मेरे यीशु
तेरे हाथों में खुद को सौंपता हूँ
मेरी नहीं प्रभु तेरी इच्छा पूरी हो

27

तू मेरी आराधना तू मेरी उपासना
तू मेरी प्रार्थना तू मेरी वंदना
तू मेरा गीत है, तू मेरी स्तुति है
यीशु तू मेरा पहला प्यार है
आराधना—4

तू मेरा जीवन है, तू मेरा बड़ा धन है
तू मेरी शान है, तू मेरा मान है

तू मेरी मोहब्बत है, तू मेरी ज़रूरत है
तुझको ही देता पहला स्थान
आराधना—4

स्तुति धन्यवाद शक्ति प्रशंसा
आदर और महिमा के योग्य तू ही है
तू मेरा प्रभु है, तू मेरा स्वामी है
तू मेरा राजा है, तू मेरा सबकुछ है
आराधना—4

28

इस भवन में प्रभु की महिमा
पहली महिमा से बढ़कर होगी
हमारे आनेवाले दिन,
बिते हुए कल से ज्यादा सुंदर होंगे
हर पीढ़ी में तू अपनी महिमा दिखाता है
इस समय में और भी महिमा प्रकट कर
यह दुआ है हमारी

- 1 तू हमारी आशा और भविष्य है
तेरा अनुग्रह हमें यहां तक लाया है
पिछले दिनों में तू भला रहा
और आगे भी हमें ले चल
- 2 कलीसिया की शान बढ़ती रहेगी
आत्मा के फल और वरदानों से
तेरी महिमा से पृथ्वी भर जायेगी
हर जाति में तेरा नाम उंचा रहेगा

29

मसीही जीवन में प्रेम सबसे बड़ा है
प्रेम नहीं तो सब कुछ बेकार है
प्रेम दयालु है, प्रेम कृपालु है
प्रेम धीरजवंत है, प्रेम सच्चाई है, प्रेम भलाई है
प्रेम सबसे बड़ा है

- 1 प्रेम सबसे बड़ा है—2
बुरा नहीं मानता है, बुराई नहीं करता है
झाह नहीं करता है, कुकर्म नहीं करता है
- 2 प्रेम सबसे बड़ा है—2
अपनी भलाई नहीं चाहता है
अपनी बड़ाई नहीं करता है
सब बातें सह लेता है
सदा आनंदित रहता है

30

सबका प्रभु यीशु है
वो ही मालिक हम सबका है
हर सवाल का वो जवाब है
हर मुश्किलों का वो हल है
हर गुनाह की वो माफि है
सब बिमारी की वो दवा है
यीशु मेरा प्रभु है, आपका प्रभु है, सबका प्रभु है

- 1 सबसे बड़ा है वो सबसे भला है वो
हर नामों में, हर कामों में और शान में

उसकी महिमा है, उसका वचन है
हर देश में, सब लोगो में हर भाषा में

- 2 सबसे श्रेष्ठ है सबसे महान है वो
स्वर्ग में, पृथ्वी में अधोलोक में
वो ही आदि है वो ही अंत है
वह जीवित है, वो ही सत्य है वो पवित्र

- 3 उसकी नज़र में हम सब एक है
ना उंच है ना नीच है सब खास है
उसकी दया तो सबके लिये है
आज है कल है और हमेशा है

31

धर्मियों के तंम्बुओं में
जयजयकार की ध्वनी हैं
हमारे बिच में यहाँ, प्रभु विराजमान है
हे सारे लोगो याह की स्तुति करो—2
जयजयकार हो—2

- 1 वह महान है सामर्थ में
वह महान है पराक्रम में
वह महान है कार्यो में
वह महान है स्तुति में
- 2 वह महान है स्वर्ग में
वह महान है पृथ्वी में
वह महान है हर देश में
वह महान है सारी सृष्टि में

32

आनंद ही आनंद हैं
प्रभु की हुजुरी में
नाचुंगा मैं आज आत्मा में
कोई भी ना मुझे रोके
तूने बदला है मेरे विलाप को नृत्य में
तूने बदला है मेरे दुःखों को आनंद में
मैं नाचुंगा गाउंगा—2 यह मेरा सौभाग्य है

- 1 वही तो मेरे सारे पापों को क्षमा करता है
वही तो मेरे सारे रोगों को चंगा करता हैं
- 2 जीवन की पुस्तक में मेरा नाम लिखा हुआ है
मेरे लिये स्वर्ग में रहने का घर बना हुआ है

33

यीशु नाम सामर्थी नाम
उसमें सबकुछ संभव हैं
तू बड़ी युक्ति करनेवाला
चमत्कार तेरे हाथों में
कुछ भी कठिन नही तेरे लिये—3

- 1 सामर्थी यीशु ऐसा काम करता तू
मेरी मांग और समझ से परे
सामर्थी आत्मा छु मेरे दिल को
ताकि देखूँ तेरे प्रबंध को

- 2 लहु बहाया छुड़ाया तूने
हम गाते धन्य प्रभु तू
महिमा तेरी कलीसिया में
पीढ़ी दर पीढ़ी रहें

34

आजादी आजादी आजादी
मेरे यीशु के लहु में है
आजादी आजादी आजादी
पवित्र आत्मा की सामर्थ में है
मेरे प्यारो तुम आओ
यीशु नाम को अपनाओ

- 1 यीशु बंधन से आजाद करता
यीशु रोगों से आजाद करता
सिर पर दया का मुकुट पहनाता
- 2 यीशु नाम से आजादी मिलती
उसके वचन से आजादी मिलती
उसकी आशीष सदा बनी रहती है

35

भजो भजो भजो भजो प्यारे यीशु का नाम
गाओ गाओ गाओ गाओ मेरे प्रभु का नाम
यीशु नाम प्यारा नाम यीशु नाम मीठा नाम

- 1 हर पल उसको ही पुकरते
हर पल उसको ही निहारते
उसके चरणों में सिर को झुकाएं

21

उसके सामने ही सजदा करें

- 2 सारे मन उसको ही चाहो
सारे मन से आनंद मनाओ
उसके नाम पर विश्वास करो तुम
उसके नाम को ही स्तुति करो
- 3 उसकी खुशबू जगह में फैले
उसकी बातें सबसे निराली
पापियों का वह मुक्ति है दाता
निर्बल पर करता दया

36

पवित्र मुझे बना दे प्रभु
शुद्ध मुझे कर दे प्रभु
ताकि तेरे जैसा दिखूँ

- 1 शरीर की अभिलाषाओं पर
शैतान की ताकत पर
विजय मैं पाऊँ जय मैं पाऊँ
ताकि तेरे जैसा दिखूँ
- 2 वचन को मेरे दिल में रखु
तुझ से मैं प्यार कर सकूँ
प्रार्थना में मैं बल पाऊँ
ताकि तेरे जैसा दिखूँ
- 3 पवित्र आत्मा मुझपर नियंत्रण कर
जहाँ भी रहूँ तेरे हाथ हो मुझपर

22

तेरी संगती में मैं रहूँ
ताकि तेरे जैसा दिखूँ

IYOB COMPOSITION SONGS

37 (तेरे उपकार Vol - 1)

राजाधिराज तेरे उपकार को
कभी न भुलुंगा
जब से तूने चुना हुआ तेरा आराधक
सच्ची आराधना लायी दिल में अभिषेक
तहे दिल से प्रशंसा निरंतर करुंगा

1. पिछले दिनो से लेकर
एबन एजर बना तू
जीवन के हर कदम पर
रोही बना हैं तू
तेरी करुणा सदा की हैं—3
2. जरूरतो के समय पर
यीरे बना बना हैं तू
बैचेनियां होने पर
शालोम बना हैं तू
तेरी करुणा सदा की हैं—3
3. निरोग जीवन दिलाने
राफा बना हैं तू
निर्बल परिस्थिति में
निस्सि बना हैं तू
तेरी करुणा सदा की हैं—3

38

यीशु मसीह हमारा प्रभु
स्तुति के योग्य प्रभु
युगानयुग पवित्र सदा
आदर के योग्य प्रभु...तो गाएं होसन्ना—2

1. सारे जहां में वो एक
राजाधिराजा प्रभु
सारे जहां में वो श्रेष्ठ
शांति का राजा प्रभु
2. पवित्र सिंहासन पर
बैठे वो राज करता
पवित्रता की सामर्थ
हमारे जीवन में देता
3. अद्भूत पराक्रमी
असंभव को करता संभव
तुफान को रोकनेवाला
अनोखा हमारा प्रभु

39 (भज 145:3)

हे सारे लोग यहोवा की स्तुति करो
वो हैं महान स्तुति के योग्य हैं
महिमा प्रशंसा अगम हैं
महिमा हो सदा, प्रशंसा हो सदा—2

1. आसमां ये जमीं उसकी महिमा से भरी

यह जीवन जिसमें प्राण, गुणगानो से भरा
आओ पवित्रस्थान में, पहला स्थान देकर
पाओ आशीषे जीवन में, आदर महिमा देकर

2. स्वर्गदुत स्वर्ग में उसकी महिमा से भरे
ये प्रजा चुनी हुई, पवित्रआत्मा से भरी
गाओ पवित्र आत्मा में सामर्थ से भरो
पाओ अभिषेक जीवन में महिमा से भरो

40 यशा 52:7

जातियों में ज्योति फैलायेंगे (A Light to the Nations)
हर देश में शहरो में गावों में
सुसमाचार पहुंचायेंगे
हर देश में, शहरो में गावों में

1. सुहावने पांव उनके, जो सुसमाचार सुनाते
कदम कदम बढ़ते जाते,
और शांति की बात सुनाते
बढ़ते कदम को, रोक न देंगे
हर जाति में फैलायेंगे
2. सिपाही हैं हम मसीह के, ऐलान सच करेंगे
बेचैन हुईं रुहों को, हम उद्धारक से मिलवायेंगे
जकड़े हुआं को, पिड़ितो को
शोषितो को, छुड़ायेंगे

41 (1 पत 2:9)

गाएंगे हम यीशु महान
करेंगे हम स्तुति प्रशंसा

हम जयवंत हुए आराधक हैं
हम विजय हुए आराधक हैं

1. अंधकार में थे ज्योति में हैं बुलाया
दंड की आज्ञा मिटाकर उसकी प्रजा
बनाया-----हालैलुय्याह
2. अब हम चुने हुए वंश पवित्र लोग कहलाते
निज प्रजा बनकर उसका समाज
कहलाते----- हालैलुय्याह

42 भज 107:20

धन्यवाद के साथ उसके चरणों में आराधना करते हुए
तन मन के साथ उसके चरणों में स्तुति करते
हुए
यीशु ही प्रभु हैं---2

1. जीवन का सोता नदी सा बहता
मधु से मिठा हैं वो
बंजर जमीं को हरा वो करता
सुखदाई झरना हैं वो
2. ज्ञान का सोता वचन को भेजकर
चंगाई देता हैं वो
रोगों से मुक्ति जीने की शक्ति
जिंदगी देता हैं वो

43 फिली 1:21

जिंदगी ये सफर, अंजाने ये डगर
तेरे बिना मेरा जीना
संभव नहीं
तू जो कहें मैं वो सुनू
वो ही सही
यीशुआ.....तू ही हैं मेरी ताकत
यीशुआ.....तू ही हैं मेरी राहत

मुश्किले हैं मगर अब कोई ना फिकर
मेरा जीना और मरना
मसीह हैं
तू जो कहें मैं वो करूं
सौभाग्य हैं
यीशुआ...तू ही हैं मेरी पनाह
यीशुआ...तू ही हैं मेरी सलाह

44

साथ यीशु गर ना होते
आज कही का ना होता
प्यार यीशु गर ना करते
ये दिल कही का ना होता

- 1 अनुग्रह ने मुझको ढुंढा
जब मैं अंजानी राहों में था
सोचता था जीवन यु ही गुजार लुं
बैचेनी दिल को रूलाती रही
छुआ पवित्र आत्मा ने—2

आया यीशु के चरणों में

- 2 खुदा के वादों ने छोड़ा नहीं
अक्सर ढुंढा करते रहे
पल दो पल में सोचकर
वादों को ठुकराता रहा
छुआ पवित्र आत्मा ने—2
आया यीशु के चरणों में

45 व्यव 6:5

सारी महिमा यीशु को मैं दुं
मेरे मन से
मेरे प्राण से
मेरी आत्मा से

1. इस पल में सबसे पहले
यीशु को धन्यवाद दुं
आदर के योग्य, महिमा के योग्य
केवल यीशु हैं
2. आत्मा के वरदानों से
आत्मा की सच्चाई से
सारे मन से, सारे तन से
आराधना करूं

46 (Heb 13:8)

पवित्र आत्मा तू हैं यहां
तेरी महिमा होवे यहां
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2

यीशु मसीह कल और आज
युगानयुग एक सा हैं
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2

तेरी सामर्थ छु ले यहां
अभिषेक पाएं यहां
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2

चंगाई होवे यहां
छुटकारा पाएं यहां
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2

आराधना करते हैं हम
स्तुति गाते हैं हम
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2

47 (तेरे विचार Vol - 2)

सबसे अलग—2
तेरे विचार और तेरी गति
पिता, यीशु, पवित्र आत्मा

1. प्रेमी पिता—तेरे विचार, तेरी गति
सबसे अलग हैं यहाँ
तेरा राज्य, तेरी सामर्थ
छु रहें हैं यहाँ
2. यीशु मसीह— तेरा स्वभाव, तेरा अभिषेक
सबसे अलग हैं यहाँ

तेरा नाम, तेरी महिमा
छु रहें हैं यहाँ

3. पवित्र आत्मा— तेरा स्पर्श, तेरे कार्य
सबसे अलग हैं यहाँ
तेरा ज्ञान, तेरी बुद्धि
छु रहें हैं यहाँ

चंगाई यहाँ
छुटकारा यहाँ
भलाई का सोता यहाँ

पवित्रता यहाँ
नम्रता यहाँ
जीवन का सोता यहाँ

48 इफि 6:10-18

सेना हैं हम यीशु की सेना हैं हम.
हम लड़ेगे शैतान से
जितेगे हर जंग और
फैलालेगे यीशु का नाम

1. चारों तरफ से आंधी की लहरे
टकराती तो रहेगी
न घबरायेंगे धीरज रखकर
मक्सद को लेकर बढ़ेंगे
2. जिस दौड़ को हम दौड़ रहे हैं
पुरा कर के रहेंगे
वचन के सारे आत्मिक हथियार

बांध कर हम लढ़ेंगे

3. सत्य से अपनी कमर कसकर
विश्वास की ढाल को लेकर
शैतान के सारे जलते तीरों को
वचन से बुझा देंगे
4. उध्दार का टोप धार्मिकता की झिलम
पहन कर तैयार रहेगे
हर समय और हर प्रकार से
आत्मा में प्रार्थना करेंगे

49

आकाश और पृथ्वी में जो भी हैं तेरा हैं
आदि से अंत तक तू ही प्रभु हैं
महिमा पराक्रम सामर्थ तेरे हैं

1. तेरी वाणी से यह बनी दुनिया
तेरी सामर्थ का वर्णन हैं किया
ना हैं तेरे समान ना होगा कोई महान-2
2. तेरे वचनों में हैं बढ़ी सामर्थ
ये सनातन से हैं अटल वर्णन
ये हैं तेरे वादे ना होंगे कभी विफल-2

50

मेरा छुड़ानेवाला जयवंत से भी हैं बढ़कर
वो साथ हैं हरपल

31

1. प्यार जो खुदा से सच करते हैं
और जो वफा से करीब आते हैं
वह पवित्र हैं— शुद्धता चाहता हैं
वह प्यार हैं— दिल को चाहता हैं
——वो साथ हैं हरपल

2. भय जो खुदा का सच रखते हैं
और जो दुआ से बल चाहते हैं
वह भला हैं— भलाई चाहता हैं
वह सच्चा हैं— सच्चाई चाहता हैं
—— वो साथ हैं हरपल

51

यीशु मेरी ज्योति, यीशु मेरा उद्धार
जीवन का दृढ़ गढ़ हैं क्यों मैं डरूं
हालेलुय्याह

1. चाहे मेरे मार्ग में विरोध क्यों न हो
हो मुसीबत बल की हियाव ल छोडुंगा
यदि खुदा मेरी ओर हैं...क्यों मैं डरूं...?
2. चाहे मेरे बाग में फल क्यों न हो
हो मुसीबत जल की मगन रहुंगा
यदि खुदा मेरी ओर हैं...क्यों मैं डरूं...?
3. चाहे मेरे प्राण को हानी क्यों न हो
हो मुसीबत दुःखों की विश्वास न छोडुंगा
यदि खुदा मेरी ओर हैं...क्यों मैं डरूं...?

32

52 युह 3:16

आज़ाद हैं हम, जयवंत हैं हम
यीशु की महिमा के लिए
पवित्रता से सच्चे मन से
यीशु की महिमा करें

- 1 खुदा ने जगत से प्यार किया
एकलौता पुत्र हमें उपहार दिया
जो कोई विश्वास करें, वो नाश न होगा
पर वो पायेगे, स्वर्ग में अनंत जीवन
- 2 यीशु ने अनुग्रह से हमें बचा लिया
श्रापो के बंधन से हमें छुड़ा लिया
विधियों का वो लेख जो था मिटा दिया
और हमको दिया तोहफा उद्धार का

53

उपासना हम करते हैं
आत्मा और सच्चाई से
उपासना हम करते हैं
दिल की गहराई से

1. स्वर्ग खुल जाएं स्तुति के शब्दों से
सामर्थ छा जाएं पवित्र आत्मा से
अभिषेक से भरपुर हो
पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो
2. हम सब झुक जाएं यीशु के कदमों में

33

तन मन आत्मा से सजदा करें
नम्रता से भरपुर हो
पवित्रता से परिपूर्ण

54

भजन 36:37:5

तू ही तो हैं जीवन जल
तू ही तो हैं मार्ग और सत्य
तू ही तो हैं सब कुछ मेरा
तू कभी न छोड़ेगा
तू कभी न बदलेगा
तू ही तो भरोसा मेरा

यीशु तू मेरी जिंदगी
यीशु तू मेरी रोशनी
मैं गाऊं ये जीवन भर
हम गाएं ये जीवन भर

1. जीवन का सोता तो, तेरे ही पास हैं
तेरे प्रकाश के द्वारा, हम प्रकाश पाते हैं
फैलायेगे रोशनी
2. जीवन की चिंता यीशु पर छोड़ी हैं
हमको भरोसा हैं, वो पुरा करेगा
आशीषों से भरेगा

34

55

तेरी पनाह में आते
करिब से तुझे निहारते
तेरी पनाह में अभिषेक
करिब आके हम पाते
यीशुआ तू आदर के योग्य
यीशुआ तू महिमा के योग्य
तेरी पनाह में ले चल.....होसन्ना 4
तेरी पनाह में गाते
तेरे कार्य कितने अद्भुत हैं
स्वर्ग में के संग संग
हम भी यह गाते तू पवित्र
यीशुवा तू तारिफ के योग्य
यीशुवा तू स्तुति के योग्य
तेरी हुजुरी में ले चल.....होनन्ना

56 भज 51:17

प्रभु राजाओं का राजा मन को छुनेवाला
तू महान हैं करुणामय मन को बदलनेवाला

1. टुटे मन को तूने तुच्छ नहीं जाना
प्यार किया तूने मन को ही जाना
चाहा तूने मेरे मन को
चाहा मैंने तेरे प्यार को
2. पिसे मन को तूने तूच्छ नहीं
जीवन दिया तूने सच्चा मार्ग दिया
जाना तूने बेहद प्यार से

35

जाना मैंने सच्चे खुदा को

57

क्या ही धन्य हैं वे
प्रभु के मार्ग पर चलते हैं
उसके वचनो को मानते हुए
पुरे मन से खोजते हैं
अभिषेक पायेगे, आशीष पायेगे

- 1 भय खुदा का जो माने
फल जीवन का वो पाये
गम ही क्यों ना हो दिल में
आशा का दीप को जलाये
निश्चय भलाई और करुणा जीवन भर साथ साथ
- 2 भय खुदा का जो माने
शरण के छाये में रहेगा
संकट भी क्यों न हो भारी
पंखो के आड़ में ले लेगा
उसकी सच्चाई हर पल, ढाल और झिलम होगी
- 3 भय खुदा का जो माने
पाव को टलने न देगा
कही भी क्यों न हो जग में
रक्षा हमेशा करेगा
उसका अनुग्रह हरपल, अशीषीत रखेगा

36

58

यशा 44:3,4

हे मेरे इस्राएल, मैंने तुम्हें चुना है
आदि से लेकर अन्त तक हूँ मैं तेरा यहोवा

1. मैं प्यासी भूमि पर जल,
और सूखी भूमि पर धाराएँ बहाऊंगा
- वहाँ हरियाली हर समय में, हरी-भरी रहेंगी
2. मैं तेरे वंश पर आत्मा
और सन्तानों पर आशिष उँडेलूंगा
वे दर्शन देखने लगेंगे, और नबूवत कर सकेंगे

59

1. तेरा अनुग्रह मेरे लिए
काफी है सारे जीवन के लिए
तेरी योजना मेरे लिए
हानि की नहीं आशिषों की है — आमीन — 4
2. मंजिल की राहें कठिन हो
मकसद से मिलना मुश्किल हो
खमोशी तनहायियों में
दिल कहीं बैचेन न हो
पर मुझको है भरोसा यीशु पर
ले जायेगा उसकी राहों पर — आमीन — 4
3. सागर की गहरी डगर में
कश्ती कहीं फस न जाए

37

जीवन के लंबे सफर में
दिशाएँ बदल तो न जाएं
पर मुझको है भरोसा यीशु पर
ले जायेगा उसकी राहों पर — आमीन — 4

60

पराक्रमी खुदा हम तेरे आराधक हैं
सिंहासन के सम्मुख आराधना होसन्ना गाते हैं
होसन्ना—8

- 1 जयजयकार की ललकार
यीशु मसीह की हो
चाहे दो हो या तीन
उनके बीच हुजुरी उसकी
सर्वशक्तिमान हैं, पराक्रम में महान हैं
मैं गाऊँ हम गाएं होसन्ना
- 2 जयजयकार की ललकार
दिल की भवन से हो
स्तुति धन्यवाद हरपल इस जीवन से हो
वो ही सच्चा रोही हैं सच्चा राह की ज्योति हैं
मैं गाऊँ हम गाएं होसन्ना

61 (1 Pet 1:15)

यीशु पवित्र हैं अनोखा वो ही मिसाल
चखकर जो जाने कहें सारें जहाँ मैं अलग
सर्वशक्तिमान पराक्रम में महान
ना हैं कोई उसके ही समान

38

1. सिंहासन पर विराजमान सदैव राज करता
धर्मी या अधर्मी सभी को पुकारता
एक दिन न्याय होगा
खराई से वह होगा
वो ही सच्चा न्यायी

2. तू ही हैं खुदावंद तेरे राज्य में कौन रहेगा
पवित्र पर्वत पर कौन बसने पायेगा
खराई से जो चलता
सच्चे काम करता
वो ही सच्चा निवासी

62

यीशु नाम की जय—3
वो गुरु हम चेले
वो राजा हम प्रजा
चलो चलो चलो उसके पीछे
हो हो होसन्ना

- 1 खुद का इन्कार करना हैं अपना कस उठाना हैं
हर भाषा हर जाति में यीशु के चेले बनाना हैं
हो हो होसन्ना
- 2 सच्ची दाखलता यीशू तू हम सब तेरी ड़ालियाँ
जो तुझमें बना रहता हैं,
वह बहुत सा फल फलता रहता हैं
हो हो होसन्ना

39

63

तू मुझ में मैं तुझ में बना रहूँ
एक डाली के समान फलता रहूँ
तेरा वचन तेरा प्यार मुझ में रह
सच्चा चेला बन के मैं पीछे चलूँ

1. जो डाली तुझमें फलती नहीं
उसे तू काट डालता है
जो डाली तुझ में फलती रहे
उसे तू छांटता है
ताकि और फले और फले तुझ में फलती रहें
2. गर कोई तुझ में न बना रहें
वह कभी न फलता है
जो कोई तुझ में बना रहे
वह हर समय फलता है
बना रहूँ बना रहूँ तुझमें बना रहूँ

40